लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

सभा और अध्यक्षपीठ की गरिमा का सम्मान हमारी संसदीय प्रणाली का महत्वपूर्ण अंग है: लोक सभा अध्यक्ष / 'DIGNITY OF THE HOUSE AND ITS CHAIR IS AN IMPORTANT ASPECT OF OUR PARLIAMENTARY SYSTEM': LOK SABHA SPEAKER

*

लोक सभा और राज्य सभा हमारे लोकतन्त्र के प्रतिबिंब हैं तथा सत्र के दौरान दोनों सभाओं में व्यापक विषयों पर वाद-विवाद और चर्चाएँ हुईं : लोक सभा अध्यक्ष/'LOK SABHA AND RAJYA SABHA ARE IMAGES OF OUR DEMOCRACY AND EXTENSIVE DEBATES AND DISCUSSIONS WERE HELD IN BOTH HOUSES DURING THE SESSION': LOK SABHA SPEAKER

*

सदस्यों को जन कल्याण से संबंधित मामले उठाने के लिए पर्याप्त अवसर दिए गए : लोक सभा अध्यक्ष/'MEMBERS WERE GIVEN REGULAR OPPORTUNITIES TO RAISE MATTERS CONCERNING PEOPLES' WELFARE': LOK SABHA SPEAKER

*

फिजिकल और डिजिटल प्रणालियों ने सुगमता से कार्य किया : लोक सभा अध्यक्ष

/'BOTH PHYSICAL AND DIGITAL SYSTEMS FUNCTIONED FLAWLESSLY': LOK SABHA SPEAKER

*

'DIGNITY OF THE HOUSE AND ITS CHAIR IS AN IMPORTANT ASPECT OF OUR PARLIAMENTARY SYSTEM': LOK SABHA SPEAKER

...

सभा और अध्यक्षपीठ की गरिमा का सम्मान हमारी संसदीय प्रणाली का महत्वपूर्ण अंग है : लोक सभा अध्यक्ष

*

लोक सभा और राज्य सभा हमारे लोकतन्त्र के प्रतिबिंब हैं तथा सत्र के दौरान दोनों सभाओं में व्यापक विषयों पर वाद-विवाद और चर्चाएँ हुईं : लोक सभा अध्यक्ष

*

सदस्यों को जन कल्याण से संबंधित मामले उठाने के लिए पर्याप्त अवसर दिए गए : लोक सभा अध्यक्ष

*

फिजिकल और डिजिटल प्रणालियों ने सुगमता से कार्य किया : लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 25 सितम्बर 2020 : संसद का मानसून सत्र सम्पन्न होने के अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन में इस सत्र की विभिन्न ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी ।

इस अवसर पर श्री बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभा और अध्यक्षपीठ की गरिमा का सम्मान हमारी संसदीय प्रणाली का महत्वपूर्ण अंग है और सभी सदस्यों का यह दायित्व है कि वे हमारे उच्चतम लोकतान्त्रिक मूल्यों का सम्मान करें ।

श्री बिरला ने कहा कि लोक सभा और राज्य सभा दोनों ही हमारे लोकतन्त्र के प्रतिबिंब हैं और इस सत्र के दौरान संसद की दोनों सभाओं में व्यापक विषयों पर वाद-विवाद और चर्चाएँ हुईं । उन्होने यह भी कहा कि सभी राजनीतिक दलों और सदस्यों के सहयोग से लोक सभा की उत्पादकता 167 प्रतिशत रही जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है ।

उन्होने इस बात की जानकारी भी दी कि कोविड-19 महामारी के खतरे के बावजूद इस सत्र के दौरान संसद सदस्यों की औसत उपस्थिति काफी अधिक रही जो देश के लिए सकारात्मक संदेश है और जिससे लोगों की लोकतान्त्रिक संस्थाओं में आस्था मजबूत हुई है ।

श्री बिरला ने यह भी कहा कि लोक सभा ने 37 घंटों के निर्धारित समय की तुलना में 60 घंटे बैठक की । कोविड -19 के कारण सत्र की बैठकों में कटौती

किए जाने के बावजूद उत्पादकता में कमी लाए बिना लोक सभा में अधिकाधिक कार्य हुआ ।

यह टिप्पणी करते हुए कि भारत में लोकतान्त्रिक परम्पराएँ बहुत सुदृढ़ हैं, श्री बिरला ने कहा कि वर्ष 1952 में जब पहली लोक सभा का गठन हुआ था, तब से अब तक संसदीय शासन प्रणाली में लोगों की आस्था बढ़ी है और हमें लोकतान्त्रिक संस्थाओं को और मजबूत बनाने के लिए सतत प्रयास करने होंगे ।

प्रश्न काल के बारे में हाल ही में आई खबरों का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि सदस्यों को जन कल्याण से संबंधित मामले उठाने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए । उन्होने शून्य काल और अन्य विधायी कार्यों के दौरान सदस्यों की अधिकाधिक भागीदारी की जानकारी भी दी । श्री बिरला ने यह भी बताया कि सदस्यों को महत्वपूर्ण विधेयकों पर अपने विचार रखने की अनुमति दी गई और उन्हें चर्चाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया । श्री बिरला ने यह जानकारी भी दी कि लोक सभा में 2300 अतारांकित प्रश्नों के उत्तर दिए गए और 25 विधेयक पारित किए गए । उन्होने यह भी कहा कि विवादास्पद कृषि विधेयकों सहित सभी विधेयक सभा में विस्तृत चर्चा के बाद ही पारित किए गए ।

उन्होने यह भी बताया कि सत्र की अवधि को कम करने का निर्णय कोविड-19 से उत्पन्न खतरे को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से लिया गया ।

संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना बहाल किए जाने की सदस्यों की मांग के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह मामला

विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा उठाया गया । उन्होने यह आशा व्यक्त की कि सरकार और अन्य हितधारक इस मामले पर सम्यक रूप से विचार करेंगे ।

मानसून सत्र के दौरान दोनों सभाओं के सचिवालयों द्वारा की गई व्यवस्था की व्यापक रूप से की गई सराहना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि फिजिकल और डिजिटल - दोनों ही प्रणालियों ने सुगमता से कार्य किया । उन्होने सभा के निर्विघ्न संचालन के लिए सभी सदस्यों द्वारा किए गए सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया ।

उन्होने इस बात का उल्लेख भी किया कि सभी सांसदों, मीडियाकर्मियों तथा लोक सभा और राज्य सभा सचिवालयों के अधिकारियों का कोविड -19 टेस्ट हुआ । कुल मिलाकर इस सत्र के दौरान 8700 से भी अधिक कोविड-19 टेस्ट हुए । उन्होने यह भी कहा कि कोविड -19 पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई जो बहुत सार्थक थी । सभी सदस्यों ने 5 घंटे से भी अधिक समय तक चली इस चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया ।

एक प्रश्न के उत्तर में श्री बिरला ने जानकारी दी कि नए संसद भवन के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है और इसे 21 माह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा ।

श्री बिरला ने मानसून सत्र की व्यापक कवरेज और दोनों सभाओं की कार्यवाहियों से संबंधित जानकारी को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने के लिए मीडिया की सराहना की ।

‘DIGNITY OF THE HOUSE AND ITS CHAIR IS AN IMPORTANT ASPECT OF OUR PARLIAMENTARY SYSTEM’: LOK SABHA SPEAKER

…

‘LOK SABHA AND RAJYA SABHA ARE IMAGES OF OUR DEMOCRACY AND EXTENSIVE DEBATES AND DISCUSSIONS WERE HELD IN BOTH HOUSES DURING THE SESSION’: LOK SABHA SPEAKER

…

‘MEMBERS WERE GIVEN REGULAR OPPORTUNITIES TO RAISE MATTERS CONCERNING PEOPLES’ WELFARE’: LOK SABHA SPEAKER

…

‘BOTH PHYSICAL AND DIGITAL SYSTEMS FUNCTIONED FLAWLESSLY’: LOK SABHA SPEAKER

New Delhi 25 September 2020: On conclusion of the Monsoon Session of the Parliament, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla referred to various historic achievements of the Session at the Parliament House today.

On this occasion, Shri Birla emphasized that the dignity of the House and its Chair is an important aspect of the parliamentary system and it is the duty of all members to respect the highest values that our democracy represents.

Shri Birla said that both Lok Sabha and Rajya Sabha are the images of our democracy and extensive debates and discussions were held in both the Houses of Parliament during the Session. He added that with the help of all political parties and Members, the productivity of Lok Sabha was at a historic 167 percent. He also informed that despite the threat of COVID-19, the average attendance of Members of Parliament, during this Session was very

high, which sends a very positive message and strengthens peoples' faith in the democratic institutions.

Shri Birla also said that the Lok Sabha sat for 60 hours instead of the allotted time of 37 hours. In fact, despite the curtailment of the Session due to COVID-19, the Lok Sabha was able to function optimally with minimal loss of productivity.

Observing that democratic traditions in India are deep-rooted, Shri Birla said that since 1952 when the first Lok Sabha elections were held, the faith of people in the Parliamentary form of Government has increased and continued efforts should be made on how to further strengthen the democratic institutions.

Referring to recent reports on Question Hour, Shri Birla said that members were given regular opportunities to raise matters concerning peoples' welfare. He highlighted the enhanced participation of members in Zero Hour and other legislative business. He reminded that members were allowed to express their views on important bills and they were always encouraged to participate in the discussions. Shri Birla also informed that 2300 answers to Unstarred Questions were tabled in the Lok Sabha and 25 Bills were passed. He further said that all Bills, including the contentious Agriculture related Bills, were passed after comprehensive discussion in the House.

He also added that the decision to curtail the duration of the Session was taken with consensus in view of the COVID-19 scare.

On a query on the demands of Members for the restoration of the MPLAD Scheme, Shri Birla said that the matter was raised by Members across the

political spectrum and hoped that the Government and other stakeholders would examine the issue as per merit.

Reacting to widespread praise of the arrangements made by the Secretariats of the two Houses during the Monsoon Session, Shri Birla said that it was a matter of happiness that both physical and digital systems functioned flawlessly. He thanked all members for their cooperation for the smooth conduct of the House.

He also mentioned that all Members of Parliament, media persons, and officials of Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats underwent the COVID-19 test. In all, more than 8700 COVID-19 tests were administered during the session. He also said that the discussion on COVID-19 was long and fruitful and all Members actively participated in the more than 5-hour long discussion.

In response to a query, Shri Birla informed that the work on the construction of the New Parliament Building has started and that it would be completed within 21 months.

Shri Birla praised the media for their comprehensive coverage and effective dissemination of information relating to Parliamentary proceedings of both the Houses during the Monsoon Session.